

विद्युत शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण बारून चौकी के दरोगा ने रिश्वतखोरी के रिकार्ड तोड़े

आक्रोशित ग्रामीणों ने विद्युत विभाग पर लगाया बड़ा आरोप

करनैलगंज, गोडा। दो गांवों बताया कि यहां बिजली की शार्ट के 14 परिवारों के पास तन पर सर्किट से आग लग गई। जब पहने कपड़े को छोड़ कुछ भी नहीं आग ने बिकाराल रूप धारण कर राख हो गया। बिजली की शार्ट लिया और एक के बाद एक सर्किट से उठी चिंगारी से एक ही ग्राम पंचायत के दो अलग अलग मर्जों में आग से 14 लोगों प्रयास करके आग पर काबू पाया गया तब तक आग ने अपना उग्र रूप धारण कर लिया। एक के बाद एक घर को अपने आगों में लेने लगी। ग्रामीणों ने अथक आगों में लेने लगी। कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने आग पर काबू पा लिया। मगर तब तक राष्ट्रीयम् विजय कुमार का घर मय गृहस्थी जलकर राख हो गया। सच्चाना पाकर मौके पर ये फोर्स पहुंचे कोतवाल रूपीप कुमार सिंह ने फायर का वाहन बुलाकर आग को पूरी तरह शांत कराया। वहीं नायब तहसीलदार अनीश सिंह व रंजन वर्मा के साथ राजस्व निरीक्षक अवैश्वेष द्विवेदी व हल्का लेखापाल रमेशचंद्र जांच कर रहे थे। राजस्व निरीक्षक अवैश्वेष कुमार द्विवेदी ने बताया कि दोनों गांव हल्कामिलाकर यह कहना न तो अनुचित होगा और एक स्थानीय छुटभैया नेता के यहां अपने हमराह सिपाहियों के आशाराम एवं गुड़ा का छप्पर का खेल के तारून थाना क्षेत्र के रामपुर भगन बाजार के पास हुई घटना

खड़ी ट्रक में भिड़ी बाइक, दो युवकों की मौत, एक घायल

तारून थाना क्षेत्र के रामपुर भगन बाजार के पास हुई घटना

अयोध्या। जनपद के तारून शामिल होने के लिए थाना क्षेत्र स्थित गांव ऊंचागांव नात-रिश्वतदार भी आए थे। मामा भट्टपुरुष के पास एक बाइक सड़क के प्रीतिभोज में शामिल होने किनारे खड़ी ट्रक में जा भिड़ी। आए तीन युवक एक दूर रात हुए इस हादसे में बाइक मोटरसाइकिल से कुछ सामान सवार दो युवकों की मौत हो गई। जबकि एक को गंभीर हाल रामपुरभगन बाजार जा रहे थे। में उपचार के लिए जिला रास्ते में तारून-पिपरी मार्ग पर अस्पताल में भर्ती कराया गया लगभग रात 10.00 बजे है। पुलिस ने मृतकों के शव मोटरसाइकिल सवार युवक रात का पास्टर्मार्ट कराया है। बताया कि अंधेरे में सड़क के अंदर खड़ी ट्रक में जा भिड़े। ट्रक कर नेतवारी चतुरपुर मजरू लाला इतनी जोरदार हुई थी आवाज का पुरावा निवासी कृष्ण प्रसाप नुस्कर आसपास के लोगों के श्रीवास्तव उर्फ बंगलारी के छोटे नीद खुल गई और मार्जरा बेटे विश्वास श्रीवास्तव निवासी सुन्दरपुर थाना लंका के जिला वाराणसी और 20 वर्षीय अमन श्रीवास्तव पुत्र राजीव निविलेश श्रीवास्तव निवासी सुन्दरपुर थाना लंका के लिए लोग मौके पर ले कर प्रीतिभोज का पहुंचे तो हादसे का पता चला। आयोजन था। समारोह में तत्काल मामले की खबर पुलिस

को दी गई। मौके पर पहुंची चिकित्सकों ने हालत गंभीर होने के चलते तीसरे घायल दिव्यम श्रीवास्तव उर्फ बाबूल पुत्र मनोज श्रीवास्तव निवासी हरचरणपुर जिला रायबरेली को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल प्रशासन जिला का कहना है कि दो युवकों नैनीत श्रीवास्तव और अमन रौनीत श्रीवास्तव और अमन रौनीत श्रीवास्तव तो यहां लाया गया तो जांच में पता चला कि दोनों नैनीत हो चुकी हैं। पोस्टमार्टम के लिए मैमो पुलिस को मिजवाया गई। परिवार में रोदन-विलाप शुक्र हो गया घर के पुरुष सदर्य हाल-चाल अनेक लिए तत्काल जिला अस्पताल भागे। प्रीतिभोज का सरयू किनारे अतिम संस्करण में पहुंचे निमित्त लोग भी शोक कर उपचार किया जा रहा है।

बिहार से आकर लूटपाट अराजकता फैलाने वालों के विरुद्ध होगी सख्त कार्यवाही: विवेक सिंह

पटरंगा थाना परिसर में हुई पीस कमेटी की बैठक

अयोध्या। कोतवाली नगर पुलिस ने बिहार से आकर जिले में बाइक चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले शातिरं को गिरपतार किया। गिरपतार आरोपित के पास से चोरी की एक बाइक, नगदी व गांजा बरामद हुआ है। कोतवाली नगर के प्रभारी निरीक्षक देवेन्द्र सिंह ने बताया कि वह पुलिस टीम के कसाबाड़ा तिराहे पर चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान दो लोग एक बाइक पर आते दिखाई दिए। दोनों को रोकने का प्रयास किया गया तो एक भाग निकला, जबकि एक को गिरपतार कर लिया गया है। गिरपतार किए गए राहुल कुमार यादव के कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल व एक किलो 600 ग्राम गांजा व लूट के 21 हजार रुपये बरामद किए गए। दो अदद एटीएम कार्ड की भी बरामदी की गयी है पुलिस के अनुसार गिरपतार आरोपी ने बताया वह और उसका साथी अमन यादव पुत्र सुग्रीव यादव नया टोला जुराबगंज गैडाबाड़ी थाना कोढ़ा जिला कटिहार बिहार के साथ 19 अप्रैल को चौक रिकाबंग रोड पर एक व्यक्ति से बैग छीनकर भाग थे, जिसमें 50 हजार रुपये व एटीएम कार्ड की भी बरामदी की गयी है पुलिस के अनुसार गिरपतार आरोपी ने बताया वह और उसका साथी अमन यादव पुत्र सुग्रीव यादव नया टोला जुराबगंज गैडाबाड़ी थाना कोढ़ा जिला कटिहार बिहार के साथ 19 अप्रैल को चौक रिकाबंग रोड पर एक व्यक्ति से बैग छीनकर भाग थे, जिसमें 50 हजार रुपये व एटीएम कार्ड की भी बरामदी की गयी है पुलिस के अनुसार गिरपतार आरोपी ने बताया वह और उसका साथी अमन यादव पुत्र सुग्रीव यादव नया टोला जुराबगंज गैडाबाड़ी थाना कोढ़ा जिला कटिहार बिहार के साथ 19 अप्रैल को चौक रिकाबंग रोड पर एक व्यक्ति से बैग छीनकर भाग थे, जिसमें 50 हजार रुपये व एटीएम कार्ड की भी बरामदी की गयी है पुलिस के अनुसार गिरपतार आरोपी ने बताया वह और उसका साथी अमन यादव पुत्र सुग्रीव यादव नया टोला जुराबगंज गैडाबाड़ी थाना कोढ़ा जिला कटिहार बिहार के साथ 19 अप्रैल को चौक रिकाबंग रोड पर एक व्यक्ति से बैग छीनकर भाग थे, जिसमें 50 हजार रुपये व एटीएम कार्ड की भी बरामदी की गयी है पुलिस के अनुसार गिरपतार आरोपी ने बताया वह और उसका साथी अमन यादव पुत्र सुग्रीव यादव नया टोला जुराबगंज गैडाबाड़ी थाना कोढ़ा जिला कटिहार बिहार के साथ 19 अप्रैल को चौक रिकाबंग रोड पर एक व्यक्ति से बैग छीनकर भाग थे, जिसमें 50 हजार रुपये व एटीएम कार्ड की भी बरामदी की गयी है पुलिस के अनुसार गिरपतार आरोपी ने बताया वह और उसका साथी अमन यादव पुत्र सुग्रीव यादव नया टोला जुराबगंज गैडाबाड़ी थाना कोढ़ा जिला कटिहार बिहार के साथ 19 अप्रैल को चौक रिकाबंग रोड पर एक व्यक्ति से बैग छीनकर भाग थे, जिसमें 50 हजार रुपये व एटीएम कार्ड की भी बरामदी की गयी है पुलिस के अनुसार गिरपतार आरोपी ने बताया वह और उसका साथी अमन यादव पुत्र सुग्रीव यादव नया टोला जुराबगंज गैडाबाड़ी थाना कोढ़ा जिला कटिहार बिहार के साथ 19 अप्रैल को चौक रिकाबंग रोड पर एक व्यक्ति से बैग छीनकर भाग थे, जिसमें 50 हजार रुपये व एटीएम कार्ड की भी बरामदी की गयी है पुलिस के अनुसार गिरपतार आरोपी ने बताया वह और उसका साथी अमन यादव पुत्र सुग्रीव यादव नया टोला जुराबगंज गैडाबाड़ी थाना कोढ़ा जिला कटिहार बिहार के साथ 19 अप्रैल को चौक रिकाबंग रोड पर एक व्यक्ति से बैग छीनकर भाग थे, जिसमें 50 हजार रुपये व एटीएम कार्ड की भी बरामदी की गयी है पुलिस के अनुसार गिरपतार आरोपी ने बताया वह और उसका साथी अमन यादव पुत्र सुग्रीव यादव नया टोला जुराबगंज गैडाबाड़ी थाना कोढ़ा जिला कटिहार बिहार के साथ 19 अप्रैल को चौक रिकाबंग रोड पर एक व्यक्ति से बैग छीनकर भाग थे, जिसमें 50 हजार रुपये व एटीएम कार्ड की भी बरामदी की गयी है पुलिस के अनुसार गिरपतार आरोपी ने बताया वह और उसका साथी अमन यादव पुत्र सुग्रीव यादव नया टोला जुराबगंज गैडाबाड़ी थाना कोढ़ा जिला कटिहार बिहार के साथ 19 अप्रैल को चौक रिकाबंग रोड पर एक व्यक्ति से बैग छीनकर भाग थे, जिसमें 50 हजार रुपये व एटीएम कार्ड की भी बरामदी की गयी है पुलिस के अनुसार गिरपतार आरोपी ने बताया वह और उसका साथी अमन यादव पुत्र सुग्रीव यादव नया टोला जुराबगंज गैडाबाड़ी थाना कोढ़ा जिला कटिहार बिहार के साथ 19 अप्रैल को चौक रिकाबंग रोड पर एक व्यक्ति से बैग छीनकर भाग थे, जिसमें 50 हजार रुपये व एटीएम कार्ड की भी बरामदी की गयी है पुलिस के अनुसार गिरपतार आरोपी ने बताया वह और उसका साथी अमन यादव पुत्र सुग्रीव यादव नया टोला जुराबगंज गैडाबाड़ी थाना कोढ़ा जिला कटिहार बिहार के साथ 19 अप्रैल को चौक रिकाबंग रोड पर एक व्यक्ति से बैग छीनकर भाग थे, जिसमें 50 हजार रुपये व एटीएम कार्ड की भी बरामदी की गयी है पुलिस के अनुसार गिरपतार आरोपी ने बताया वह और उसका साथी अमन यादव पुत्र सुग्रीव यादव नया टोला जुराबगंज गैडाबाड़ी थाना कोढ़ा जिला कटिहार बिहार के साथ 19 अप्रैल को चौक रिकाबंग रोड पर एक व्यक्ति से बैग छीनकर भाग थे, जिसमें 50 हजार रुपये व एटीएम कार्ड की भी बरामदी की गयी है पुलिस के अनुसार गिरपतार आरोपी ने बताया वह और उसका साथी अमन यादव पुत्र सुग्रीव यादव नया टोला जुराबगंज गैडाबाड़ी थाना कोढ़ा जिला कटिहार बिहार के साथ 19 अप्रैल को चौक रिकाबंग रोड पर एक व्यक्ति से बैग छीनकर भाग थे, जिसमें 50 हजार रुपये व एटीएम कार्ड की भी बरामदी की गयी है पुलिस के अनुसार गिरपतार आरोपी ने बताया वह और उसका साथी अमन यादव पुत्र सुग्रीव यादव नया टोला जुराबगंज गैडाबाड़ी थाना कोढ़ा जिला कटिहार बिहार के साथ 19 अप्रैल को चौक रिकाबंग रोड पर एक व्यक्ति स

सम्पादकीय

इसका फायदा उठा कर
राज ठाकरे भी अपनी
जगह बना सकते हैं और
भाजपा को भी फायदा हो
सकता है। सो, राज ठाकरे
मस्तिष्कों के बाहर लाउड
स्पीकर लगा कर हनुमान
चालीसा का पाठ करने के
अभियान में लगे हैं तो जून
के पहले हफ्ते में अयोध्या
जाने का भी ऐलान कर
दिया है। अब वे भी ...

भारतीय जनता पार्टी की यह खासियत है कि वह जिस राज्य में चाहे वहाँ कि किसी पार्टी का राजनीतिक इस्तेमाल कर सकती है। कहीं मुख्यमंत्री की पार्टी का इस्तेमाल करती है तो कहीं हाशिए पर की पार्टी का। जैसे बिहार में उसने चिराग पासवान का इस्तेमाल किया। चिराग के कारण बिहार में यह स्थिति बनी कि नीतीश कुमार की पार्टी जदयू तीसरे नंबर की पार्टी बन गई और अब भाजपा अपना मुख्यमंत्री बनाने का सपना देख रही है।

इसी तरह उत्तर प्रदेश में भाजपा ने बहुजन समाज पार्टी का इस्तेमाल किया। हालांकि बसपा की नेता मायावती इससे इनकार कर रही हैं और इसे लेकर उन्होंने राहुल गांधी पर हमला भी खोला। लेकिन इस इकीकृत से इनकार नहीं

बाला। लाकन इस हकाकत से इनकार नह।
किया जा सकता है कि उनकी निष्ठियता का फायदा भाजपा को हआ।

अब भाजपा महाराष्ट्र में राज ठाकरे का इस्तेमाल कर रही है। राज ठाकरे के जरिए

मुस्लिम वं
सकता है।

महाराष्ट्र में राज गकरे का इस्तेमाल



भाजपा ने कहरा हिंदुत्व का मुद्दा उछाला है। भाजपा और राज ठाकरे दोनों को पता है कि शिव सेना चाहे हिंदुत्व की बात जितनी करे लेकिन हकीकत यह है कि कांग्रेस और एनसीपी के साथ रहने से उसका हिंदुत्व का एजेंडा कमज़ोर हुआ है।

इसका फायदा उठा कर राज ठाकरे भी अपनी जगह बना सकते हैं और भाजपा को भी फायदा हो सकता है। सो, राज ठाकरे मस्तिष्ठानों के बाहर लाउड स्पीकर लगा कर हनुमान चालीसा का पाठ करने के अभियान में लगे हैं तो जून के पहले हफ्ते में अयोध्या या जाने का भी ऐलान कर दिया है। अब वे भी बाबरी विध्वंस आंदोलन का श्रेय लेने का प्रयास करेंगे क्योंकि उस समय वे भी शिव सेना का ही हिस्सा थे। शिव सेना के लिए यह दुविधा वाली स्थिति है। उसे कांग्रेस और एनसीपी के साथ होने के बावजूद कम है और ऊपर से कट्टर हिंद वोट भी खिसक

कॉर्पोरेट की जेब में आजादी

एलन मस्क ने टिवटर को खरीदने के लिए 52 बिलियन डॉलर की रकम आगे कर दी है। फिलहाल, टिवटर के मौजूदा मालिक मस्क की मंशा को नाकाम करने में जुटे हुए हैं। मस्क ने हाल ही में टिवटर की करीब 9 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी। फिर उन्होंने पूरी कंपनी खरीदना का प्रस्ताव रखा।

कॉरपोरेट नियंत्रित सोशल मीडिया की आजादी का भ्रम तभी टूटना लगा था, जब सोशल मीडिया कंपनियों ने अमेरिकी शासक वर्ग की इच्छा के मुताबिक राजनीतिक आवाजों को दबाना शुरू कर दिया। सबसे पहले जो हाई प्रोफाइल शख्सियत इसका निशाना बनी, वे डॉनल्ड ट्रंप थे। फिर यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद जिस तरह रूस की बात रखने वाली आवाजों को तमाम सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स से बाहर किया गया, उससे भी यही संकेत मिला कि कॉरपोरेट जगत के हाथ में सोशल मीडिया आजाद नहीं है। अब आजादी की पोल अरबपति एलन मस्क ने खोली है। उन्होंने ट्रिवटर को खरीदने के लिए 52 बिलियन डॉलर की रकम आगे कर दी है। फिलहाल, ट्रिवटर के मौजूदा मालिक मस्क की मंशा को नाकाम करने में जुटे हुए हैं। दुनिया के सबसे अमीर शख्स मस्क ने हाल ही में ट्रिवटर की करीब 9 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी थी। इसके बाद उन्होंने पूरी कंपनी खरीदने के लिए भी एक प्रस्ताव दिया। तब ट्रिवटर कंपनी के बोर्ड ने एक नई योजना बनाई, जिससे कंपनी में 15 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी खरीदना किसी एक शर्क्षण या संस्था के लिए काफी मुश्किल हो जाएगा।

इस योजना को प्वायजन पिलाना नाम दिया गया है। मस्क ने टिवटर को करीब 43 अरब डॉलर की मार्केट वैल्यू पर खरीदने की पेशकश की थी। उसे कंपनी बोर्ड ने अस्थीकार कर दिया। तब मस्क ने कहा कि वे इस खरीदारी पर 52 बिलियन डॉलर खर्च करने को तैयार हैं। बहरहाल, टिवट ने भले मस्क के प्रस्ताव को फिलहाल दुकरा दिया है, लेकिन उससे कंपनी के प्रबंधकों में असंतोष पैदा होने के संकेत हैं। इसके जवाब में टिवटर ने स्पष्ट किया है कि कंपनी बोर्ड को अगर लगता है कि टिवटर के अधिग्रहण या हिस्सेदारी खरीदने का कोई प्रस्ताव टिवटर और उसके शेयरधारकर्तों के हित में है, तो वो उन प्रस्तावों पर विचार कर सकते हैं। साफ है, मस्क की मंशा आगे चल कर पूरी नहीं होगी, यह अभी कोई नहीं कह सकता। प्रश्न यह है कि टिवटर चाहे अपने मौजूदा प्रबंधकों के अधीन रहे या मस्क उसे खरीद लें, क्या अब वह ये दावा करने की स्थिति में है कि उसका असल मकसद मुनाफा नहीं, बल्कि सार्वजनिक संवाद का मंच मुहैया कराना है। और अगर वह मुनाफे के हिसाब से आवाजों को बढ़ाने या दबाने में शामिल बनी रहती है, तो फिर उसे सोशल मीडिया क्यों कहा जाना चाहिए?

भारत में ऐसी ही व्यवस्था बनती दिख रही है, जहां शासन ने एक साइज का फांसी का फंदा तैयार कर लिया है, जिसकी गर्दन उसके फंदे में फिट होती है उसे फांसी पर लटका दिया जाता है। न्याय की यह व्यवस्था जैसे जैसे लोकप्रिय और मजबूत होती जाएगी, भारत एक देश और एक समाज के तौर पर अराजकता का शिकार होता जाएगा। और एक बार अराजक व्यवस्था लागू हो जाएगी, तो जो आज...

हरिशंकर व्यास

किसी भी सभ्य देश या समाज की जरिस्ति को मान्यता मिलने लगी। इस सबसे पहली पहचान यह है कि वहां कानून समाज से प्रोत्साहन मिलने लगा। गौरक्षा वं का शासन है या नहीं। लोकतंत्र की मजबूती और आर्थिक व सामाजिक विकास की पहली शर्त कानून का राज है। कानून का राज नहीं होना किसी भी समाज को अराजकता की ओर चेताना है। वह अपार्टमेंट



है। अफसोस की बात है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में कानून के शासन की अवधारणा खतरे में है। उसकी जगह त्वरित न्याय यानी विजिलांटे जरिट्स का राज आ गया है। जिसको जहां मौका मिल रहा है वह वहीं पर न्याय कर दे रहा है। सड़क से लेकर संसद तक और सरकारी विभागों से लेकर न्यूज चौनलों के स्टूडियो तक में लिंचिंग की प्रक्रिया चल रही है। विजिलांटे जरिट्स एक विचार के रूप में हमेशा हर देश और समाज में रहा है। लेकिन व्यवस्था द्वारा उसे प्रोत्साहित नहीं किया जाता है। कोई भी सभ्य समाज किसी को इजाजत नहीं दे सकता कि वह कानून अपने हाथ में ले और सड़क पर जाय कर दे। लेकिन

नाम पर लोगों की हत्या करने वालों का सत्तारूढ़ दल द्वारा सार्वजनिक रूप से स्वागत किया जाने लगा। संस्कृति की रक्षा के नाम पर युवा लड़के—लड़कियों को सार्वजनिक जगहों पर बेइज्जत किया जाने लगा, उनके साथ मार—पीट होने लगी। पब और बार में बैठी महिलाओं पर हमले होने लगे। धर्म के रक्षा के नाम पर दूसरे धर्म के लोगों के साथ सार्वजनिक रूप से विवाद शुरू हो गए औरक्षक, संस्कृति रक्षक, धर्म रक्षक अपने अपनी अदालतें लगा कर बैठ गए। यह प्रक्रिया चल ही रही थी कि बुलडोजर संस्कृति की शुरुआत हो गई। सरकारों ने अदालत की जरूरत ही खत्म कर दी। सरकार मंझाएं अपने आप में पलिम तकील जूँ

जब स्थानीय स्तर पर सुधार होगा तभी यह प्रक्रिया
आगे बढ़ सकेगी। मतदाता को अपने मत का प्रयोग
स्वेच्छा और सोच विचार कर करना चाहिए जिससे 5
वर्षों के लिए योग्य नेता के निर्देश लागू हो सके और
स्थानीय संस्थाओं की स्थिति मजबूत हो जिससे अन्य
स्तरों पर भी सुधार हो। आज लगभग पूरे देश में
पंचायती राज पद्धतियों का गठन किया जा चुका है
परंतु वारस्तविक स्थिति में उतनी आत्मनिर्भर

10

विकास कुमार
पंचायती व्यवस्थाओं को स्थानीय प्रशासन का मूल आधार स्तंभ माना जाता है। भारत में प्राचीन काल से ही स्थानीय स्वशासन का प्रावधान मिलता है। भारतीय लोकतंत्र में आजादी के बाद से ही पंचायती व्यवस्थाओं को महत्व दिया जाने लगा था जिसके लिए विभिन्न प्रकार के प्रतिरूपों को अपनाया जाने लगा। पंचायती राज व्यवस्था के बारे में गांधीजी की है विचारधारा रही है कि ग्राम पंचायतों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाया जाए जिससे कि संपूर्ण प्रशासनिक गतिविधि यां ग्रामीण स्तर की इनके द्वारा ही संचालित हों। यही कारण है कि भारतीय संविधान निर्माताओं ने इसके लिए अलग से प्रावधान जोड़े थे। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है जिसमें चुनाव आयोग के 2019 के सूची के अनुसार, लगभग 90 करोड़ मतदाता पंजीकृत हैं। ऊरल कनेक्शन नेटवर्क के अनुसार, पूरे देश में 239000 ग्राम पंचायतें हैं, जो संविधान के सातवीं अनुसूची में वर्णित राज्य सूची का विषय है। इनके प्रबंधन, तिनीए द्वारा निर्ताज्ञ एवं संरचना की

व्यवस्था का दायित्व राज्य सरकार पर निर्भर होता है भारत की शासन व्यवस्था तीन स्तर पर कार्य करती है। जिसमें तीसरा स्तर स्थानीय स्वशासन (पंचायती व्यवस्था) है। भारतीय संविधान के भाग 4 अनुच्छेद 40 में इससे संबंधित उपबंध थे जो प्रवर्तनीय प्रक्रिया नहीं थी। पंचायती व्यवस्थाओं को संवैधानिक दर्जा देने के पीछे राज्य संघात्मक व्यवस्था का उल्लंघन बताकर इसके पक्ष में नहीं थे। यही कारण रहा कि राजीव गांधी जी का 64 वां संशोधन (1989) और बी०पी० सिंह का संवैधानिक प्रयास (1 जून 1990) असफल रहा। पंचायतों को संवैधानिक दर्जा 1992 और 1993 में 73 वे संवैधानिक संशोधन के द्वारा दिया गया था जिसमें नरसिम्हा राव जी ने अथक प्रयास किया था। इनके चुनाव कराने की जिम्मेदारी राज्य निवाचन आयोग की होती है जिसका उपबंध भारतीय संविधान का अनुच्छेद 243 का (य) करता है। कुछ राज्यों ने इसके चुनाव की घोषणा कर दिया है। क्योंकि संविधान था इनका कार्यकाल 5 वर्ष तक रखा गया है जिसका प्रावधान भारतीय संविधान का अनुच्छेद 243(ए) ही करता है। परंतु जिस उद्देश्य के लिए पंचायती व्यवस्थाओं का अवधारणा को लागू किया गया है वह अपने मूल उद्देश्य को प्राप्त करने में असहाय प्रतीक हो रहा है। इसमें सभी प्रत्याशियों के द्वारा शासनादेश का इंतजार किया जाता है और अपनी –अपनी सुविधानुसार तैयारियां भी आरंभ कर दी जाती हैं। मतदाताओं और प्रत्याशियों के मध्य वार्तालाप प्रारंभ होता है परंतु संवाद प्रारंभ नहीं होता, क्योंकि संवाद की प्रक्रिया तो चुनाव में अक्सर रिक्त रहती है। संवाद की स्थिति में ना ही मतदाता है और ना ही प्रत्याशी। राजनीतिक दलों के बड़े-बड़े नेताओं का भी इन चुनावों में आगमन होता है जिससे वह अपनी उपलब्धियां गिनाते हैं। मतदाता ३० सुनकर आनंदित होता है और बाद में नेता जी जिंदाबाद भी बोलता है क्योंकि वह भूमि युका होता है कि हमारी स्थानीय समस्याएँ लोन के पैसों का कमीशन, आवास कमीशन, सड़क और पानी की समस्याएँ क्या हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य तो इन चुनावों में गौमुदे बन जाते हैं। प्राथमिक विद्यालयों का शिथिति और अन्य सभी स्थानीय कार्य मतदाता भूल चका दोता है और मरियादा भी उसी तरह

लोकतंत्र की बुनियादी आधार हैं पंचायती व्यवस्थाएं

बना देता है, जिसका कोसों इनसे संबंध नहीं होता। इन चुनाव में उम्मीदवारों का उद्देश्य और कार्य अनुभव भी नहीं पूछा जाता जिसके कारण जागरूकता की कमी कहें या शिक्षा का अभाव। हालांकि पंचायती व्यवस्थाओं से स्थानीय निकायों में सुधार भी हुआ है परंतु उन सभी परियोजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता जो ग्रामीणों के लिए होती है। ऐसे में सभी मतदाताओं को चाहिए कि जातियाद, पर्म, क्षेत्रवाद और व्यक्तिगत लाभ पहुंचाने वाले केवल प्रत्याशी को ना चुनकर सार्वजनिक आकांक्षाओं में खरों उतरने वाले प्रत्याशी को चयन करें। जब स्थानीय स्तर पर सुधार होगा तभी यह प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी मतदाता को अपने मत का प्रयोग स्वेच्छा और सोच विचार कर करना चाहिए जिससे 5 वर्षों के लिए योग्य नेता के निर्देश लागू हों सके और स्थानीय संस्थाओं की स्थिति मजबूत हो जिससे अन्य स्तरों पर भी सुधार हो। आज लगभग पूरे देश में पंचायती राज पद्धतियों का गठन किया जा चुका है, परंतु वास्तविक स्थिति में उतनी आत्मनिर्भर निर्भरता देखने को नहीं मिली, जितना कि इसको लागू करने के समय सपना देखा गया था। आरक्षण का प्रावधान पंचायती पद्धतियों में अनुच्छेद 243 का (छ.4) किया तो गया है, परंतु उसका पूरा लाभ ना महिलाएं ले पाती पार्टी हैं और ना ही नीचे तबके के वर्ग, क्योंकि आज भी कई पर्वग्रह प्रवृत्तियों से प्रेरित होकर ग्रामीण क्षेत्रों में सत्तान्तर किया जाता है। व

कपड़े पर लगे पसीने के दाग को छुड़ाने के लिए अपनाएं ये तरीके



गर्मियों के दौरान पसीना आना सामान्य बात है, लेकिन इसके दाग कपड़ों पर रह जाने बिल्कुल भी अच्छा नहीं है। खासकर, अगर आप हल्के रंग का आउटफिट पहनते हैं तो इस पर पसीने का पीला दाग दिखाई देने लगता है। वहीं, शर्ट की कॉलर पर पसीने का भूरे रंग का दाग लग जाता है। हालांकि, ऐसे में आप परशान न होए क्योंकि कुछ आसान तरीके अपनाकर आप पसीने के दाग कपड़ों से हटा सकते हैं।

हाइड्रोजन पेरोक्साइड आएगा काम

हाइड्रोजन पेरोक्साइड का इस्तेमाल करके आप बहुत आसानी से कपड़े पर लगे पसीने के दाग साफ कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक कटोरी में एक से दो चम्मच हाइड्रोजन पेरोक्साइड के साथ एक चम्मच नींबू रस का अच्छे से मिलाएं। अब इस मिश्रण को कपड़े की दाग से प्रभावित जगह पर लगाकर पांच से सात मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। समय पूरा होने के बाद कपड़े को सामान्य तरीके से धोकर सुखा दें।

सफेद सिरका भी है प्रभावी

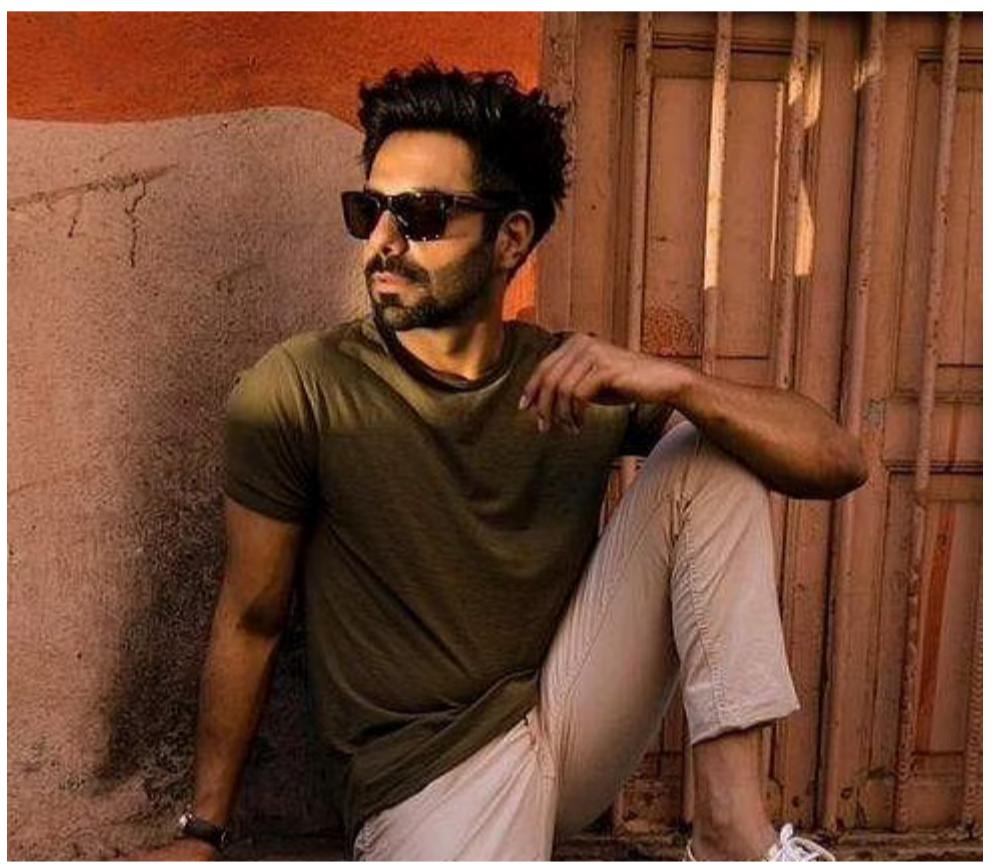
कपड़े से पसीने के दाग साफ करने के लिए सफेद सिरके का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले डिटर्जेंट पाउडर में सफेद सिरका मिलाकर एक गाढ़ा पेस्ट बनाएं, फिर इसे कपड़े की दाग वाली जगह पर लगाकर कुछ मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद दाग को ब्रश से रगड़कर पानी से धो दें। अगर दाग हल्का हो गया है तो इस प्रक्रिया को दो से तीन बार दोहराएं।

अमोनिया का घोल है असरदार: अगर आपके किसी कपड़े पर पसीने के दाग लग गए हैं तो इन्हें अच्छे से छुड़ाने के लिए आप अमोनिया के घोल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले अमोनिया के घोल को किसी बोतल में डालकर दाग वाली जगह पर छिड़के, फिर कपड़े को साफ पानी से धो लें। इसके बाद कपड़े को सामान्य तरीके से धोकर हवा में सुखाएं। बता दें कि मार्केट से आपको सही दाम में अमोनिया का घोल आसानी से मिल जाएगा।

लिंगिड डिटर्जेंट की लें मदद

अगर आपके किसी कपड़े पर पसीने के दाग लग गया है तो उसे तुरंत साफ करने की कोशिश करें। कपड़े पर दाग लगने के तुरंत बाद उसे गुनगुने पानी में भिगो दें, फिर कपड़े को पानी से निकालकर इस पर लिंगिड डिटर्जेंट लगाकर 5-10 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद एक सॉफ्ट ब्रश की मदद से दाग को रगड़कर कपड़े को साफ पानी से धो लें। यकीन इससे दाग जल्द ही साफ हो जाएगा।

बहुमुखी प्रतिभा के धनी होने का यह सबसे अच्छा समय है: अपारशक्ति खुराना



दंगल, स्त्री, स्ट्रीट डॉसर, हैलमेट जैसी कई परियोजनाओं में अभिनय से लेकर गाना गाने और वीडियो गाना बल्ले नी बल्ले तक अपारशक्ति खुराना छाए हुए हैं। उनका कहना है कि उनका रुकने की कोई योजना नहीं है, क्योंकि यह एक कलाकार के लिए हर रास्ते तलाशने का सही समय है।

जबकि उनके नए रिलीज संगीत वीडियो बल्ले नी बल्ले को बहुत प्यार मिल रहा है। स्वामार्किव रूप से यह सवाल उठता है कि बॉलीवुड अभिनेता होने के नाते वह संगीत वीडियो वर्षों कर रहे हैं।

आपारशक्ति ने कहा, मैं गायन, अभिनय, वॉयस—ओवर का काम, होस्टिंग और बहुत कुछ—सब करूंगा। आप देखिए, पहले, संगीत वीडियो युवा अभिनेताओं को खोजने के माध्यमों में एक था। अब, चीजें पूरी तरह से बदल गई हैं। मुझे गाना पसंद है। संगीत में मेरे दोस्त हैं। इसलिए जब मैं एक गाना गाता हूं, तो यह एक दोस्त के साथ सहयोग करने जैसा होता है।। साथ ही मुझे लगता है कि यह एक बहुमुखी कलाकार होने का सबसे अच्छा समय है।

जबकि उन्होंने उल्लेख किया कि वह अपने करियर की रणनीति नहीं बनाते हैं, लेकिन हालात के साथ जाते हैं, यह पूछे जाने पर कि क्या उनके संगीत करियर के लिए कोई प्राथमिकता निर्धारित है, अपारशक्ति ने कहा, मुझे लगता है कि अभिनय मेरा पहला प्यार है और अभिनय ने मुझे मैप पर रखा। इसीलिए अभिनय मेरा पहला प्यार है।

वर्तमान में, अभिनेता अपने आगामी विक्रमादित्य मोटवानी के बैब शो स्टारडस्ट, बर्लिन, डोखा और जब खुली किताब जैसी फिल्मों में व्यस्त हैं।

जबकि जीवन का अनुभव उन्हें एक परिपक्व कलाकार बना रहा है, अपारशक्ति ने साझा किया कि कैसे एक व्यक्ति के रूप में पितृत्व ने उन्हें बदल दिया है।

मुझे लगता है कि बेटी का पिता बनने के बाद, मैं भावनात्मक गहराई प्राप्त कर रहा हूं। हम रक्कीन पर जो कुछ भी महसूस करते हैं, वह जीवन के अनुभव से भीतर से आता है। मुझे लगता है कि पितृत्व बिना शार्ट प्यार के सबसे शुद्ध रूपों में से एक है। अनुभव किया है, प्यार के अलावा हमें अपने माता-पिता, खासकर मां से मिलता है। तो हां, मुझे लगता है कि मैं भावनात्मक रूप से एक अपील व्यक्ति हूं।

तब्बू विजय वर्मा और मनोज बाजपेयी द सैंडमैन में देंगे अपनी आवाज



नील गैमन की सबसे ज्यादा बिकने वाली ग्राफिक नैवेल सीरीज द सैंडमैन के हिन्दी वेरिएंट के कलाकारों की घोषणा की गई। द सैंडमैन में तब्बू को एंकर के रूप में, विजय वर्मा को मॉर्फियस्ट्रीम की मुख्य भूमिका में, मनोज बाजपेयी को डॉक्टर डेस्ट्रिनी के रूप में और नीरज काबी को लूसिफेर के रूप में दिखाया जाएगा।

इसके अलावा, इसमें जॉन कॉन्स्टेंटाइन के रूप में आदर्श गौरव, डेथ के रूप में कुधा सैत, डिजायर के रूप में सुशांत दिव्यगीकर और कैलीओप के रूप में तिलोत्तमा शोम भी हैं।

ऑडिबल इंडिया के वीपी और कंट्री जीएम शैलेश सावलानी ने आगे बताया कि, द सैंडमैन एक सांस्कृतिक घटना है जिसने उत्ताही लोगों को प्रभावित किया है। हम भारत की कुछ सबसे प्रसिद्ध, व्यारी और प्रतिष्ठित आवाजों को एक साथ लाने के लिए रोमांचित हैं। हमें विश्वास है कि प्रशंसक और श्रोता इसे पसंद करेंगे।

रोजाना एक गिलास नींबू पानी के सेवन से मिलते हैं ये स्वास्थ्य संबंधी फायदे

नींबू पानी का सेवन सिर्फ शरीर को हाइड्रेट रखने तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह कई तरह के स्वास्थ्य लाभ देने में भी सक्षम है। इसका मुख्य कारण यह है कि नींबू विटामिन—सी और कई ऐसे पोषक तत्वों से समृद्ध होता है, जो शरीर को डिटॉक्स करने के साथ—साथ कई बीमारियों के जोखिम कम करने में सहयोग प्रदान कर सकते हैं। आइए आज जानते हैं कि रोजाना एक गिलास नींबू पानी पीने से क्या—क्या फायदे मिल सकते हैं।

पाचन क्रिया के लिए है लाभदायक: रिसर्चरों की बैबसाइट पर प्रकाशित एक शोध के अनुसार, नींबू पानी में फाइबर मौजूद होता है, जो पाचन क्रिया के लिए बहुत लाभदायक है। फाइबर शरीर में गैस्ट्रिक एंजाइम के उत्पादन को संतुलित करके पाचन क्रिया को बेहतर बनाने और पाचन संबंधित समस्याओं से छुटकारा दिलाने में मदद कर सकता है। पाचन को दुरुस्त रखने में हल्के गर्म नींबू पानी का सेवन करें और इसमें वीनी की जगह शहद मिलाएं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती प्रदान करने में है सहायक: नींबू पानी का सेवन रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती प्रदान करने में काफी मदद कर सकता है।

एक शोध के मुताबिक, नींबू पानी विटामिन—सी का बेहतरीन स्त्रोत होता है, जो एंटी-ऑक्सीडेंट की तरह कार्य करके रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत कर सकता है। इसके अतिरिक्त, इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट तो होता ही है, इसके साथ ही यह त्वचा के लिए एक प्रभावी एस्ट्रिनजेंट की तरह भी काम करता है। एस्ट्रिनजेंट त्वचा के रोगियों को छोड़ा करने में मदद करते हैं। इसके अलावा, यह त्वचा से सीबम के साथ को नियन्त्रित करने में भी मददगार साबित हो सकता है।

त्वचा के लिए भी है फायदेमंद: नींबू पानी न सिर्फ स्वास्थ्य बल्कि त्वचा के लिए भी लाभकारी साबित हो सकती है क्योंकि इसमें मौजूद विटामिन—सी एक अच्छा एंटी-ऑक्सीडेंट तो होता ही है, इसके साथ ही यह त्वचा के लिए एक प्रभावी एस्ट्रिनजेंट की तरह भी काम करता है। एस्ट्रिनजेंट त्वचा के रोगियों को छोड़ा करने में मदद करते हैं। इसके अलावा, यह त्वचा से सीबम के साथ को नियन्त्रित करने में भी मददगार साबित हो सकता है।

ताजा सांस के लिए करें नींबू पानी का सेवन: नींबू पानी में एंटी-बैकटीरियल गुण मौजूद होते हैं, जो मुंह के कीटाणुओं को दूर कर देता है। इसके अलावा, नींबू पानी में मौजूद मैथॉल की वजह से इससे ताजगी का एहसास मिलता है और इस वजह से माउथ फ्रेशनर के रूप में भी इसका सेवन किया जा सकता है। इन्हीं फायदों की वजह से नींबू पानी का सेवन मुंह स्वास्थ्य के लिए लाभदायक माना जाता है।

